बाढ़ ने ली तीन और लोगों की जान

दो लाख लोग फंसे, हजारों हेक्टेअर फसल डूबी, खतरे के निशान से ऊपर राप्ती

बलरामपुर

114 गांव अब भी बने टापू

बलरामपुर-तुलसीपुर बौद्ध परिपथ की बेलहा डिप पर बुधवार को लबालब बाढ़ का पानी और पानी से होकर गांव में राहत सामग्री लेकर जाता बाढ़ पीड़ित।

गोंडा

31 गांव नवाबगंज क्षेत्र के डूबे

बहराइच के मिहींपुरवा में ट्रैक के नीचे की मिट्टी खिसकने से गोंडा-मौलानी रेलखंड पर ट्रेनों का संचालन ठप।

अमर उजाला ब्यूरो

उतरौला/बलरामपुर। राप्ती नदी का जलस्तर बुधवार को भी खतरे के निशान से ऊपर रहा। बुधवार को तीन लोगों की बाढ़ के पानी में डूबकर मौत हो गई, जबकि दो लोग लापता हैं। उधर, करीब 114 गांव अब भी टापू बने हुए हैं। करीब दो लाख आबादी बाढ़ में फंसी हुई है। साथ ही करीब 40 हजार हेक्टेअर फसल पानी में डूब गई है। वहीं, प्रशासन से राहत न मिलने पर पीड़ितों में आक्रोश व्याप्त है।

उतरौला तहसील के पाला गांव के पास बाढ़ के पानी में बहे दो किशोरों में से मोहल्ला रफी नगर उतरौला निवासी अराफात (16) का शव गोताखोरों ने बुधवार सुबह बरामद किया। अभी शफीक (15) का कुछ पता नहीं चल सका है। वहीं, नौबस्ता कला निवासी सत्यदेव यादव (35) का भी तीन दिन से कुछ पता नहीं चला है। दुधरा गांव निवासी बालक राम (35) की सरयू नहर में भरे पानी में बुधवार को डूबकर मौत हो गई। इसके अलावा भगनाजोत निवासी अंकेश (22) की भी बाढ़ के पानी में डूबकर मौत हो गई। अंकेश मंगलवार शाम भैंस चराने गांव के बाहर गया था। इस तरह जिले में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़ कर 14 पहुंच गई है। उधर, 114 गांव अब भी टापू बने हुए हैं। उतरौला तथा तुलसीपुर क्षेत्र का संपर्क पांचवें दिन भी जिला मुख्यालय से कटा हुआ है। बौद्ध परिपथ तुलसीपुर मार्ग स्थित बेलहा डिप पर पानी बह रहा है। प्रशासन की लापरवाही के कारण बाढ़ पीड़ितों में आक्रोश व्याप्त है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में करीब 40 हजार हेक्टेअर धान व दलहनी फसल पानी में डूबी हुई है। लोग अभी भी घरों की छतों तथा सड़कों पर शरण लिए हुए हैं।

राप्ती नदी का जलस्तर

खतरे का निशान
104.620 मीटर

बुधवार को जलस्तर
105.090 मीटर

बाढ़ के पानी में अब तक पांच लोगों की डूबकर मौत हुई है और पांच लोग लापता है। पीड़ितों को राहत पहुंचाने का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। नदी के जलस्तर में कमी आ रही है। शीघ्र ही हालात सामान्य हो जाएंगे।

-केशवदास, एडीएम/ जिला आपदा अधिकारी, बलरामपुर

फैलने लगीं बीमारियां, एक की मौत

बलरामपुर (ब्यूरो)। हरैया सतघरवा ब्लॉक के बाढ़ प्रभावित गांवों में संक्रामक रोगों का कहर शुरू हो गया है। बुधवार शाम उल्टी व दस्त से पीड़ित युवती की मौत हो गई। चार गांवों में करीब 24 लोग बुखार व ठंड से पीड़ित हैं। प्रभावित गांवों में स्वास्थ्य टीम भेजकर बीमारी की रोकथाम के प्रयास किए जा रहे हैं। बाढ़ प्रभावित गांव धनधरा निवासी हीरालाल ने बताया कि बुधवार को उनकी बेटी कोमल को उल्टी-दस्त हो गया। अस्पताल ले जाते समय उसने दम तोड़ दिया। कैली के ग्राम प्रधान मुर्सरत खां ने बताया कि गांव में उजागर ननके, नानबाबू, गोलू व कमला मजरे खुथवा में ननकई, शकुंतला, हनुमान व श्याम देई, मजरे शेखनपुरवा में जीनत, कमरु, मेराज, बजरंगी, बेकारु, लालता, राजकुमार व राधेश्याम तथा मजरे जमुनी में मेवा, चिनकाऊ, बड़कऊ व शमशुल्ला समेत करीब 24 लोग बुखार व ठंड से पीड़ित हैं। मुर्सरत खां ने मामले की सूचना सीएचसी शिवपुरा में दी है। सीएचसी अधीक्षक डॉ. रविनंदन तिवारी ने बताया कि प्रभावित गांवों में स्वास्थ्य टीम भेजी गई है। बीमारी को रोकने के सभी प्रयास किए जा रहे हैं।

उल्टी-दस्त ने ली जान
बुखार व ठंड से 24 बीमार

नहीं मिला इलाज, प्रसूता ने दम तोड़ा

बलरामपुर (ब्यूरो)। चारों तरफ बाढ़ से घिरे गौरा चौराहा थाना क्षेत्र के थरुवा-थरुइनिया गांव में इलाज न मिल पाने से बुधवार को प्रसूता की मौत हो गई। थरुइनिया निवासी रामहेत ने बताया कि उनकी पत्नी छोटका को अचानक प्रसव पीड़ा होने लगी। चारों तरफ बाढ़ का पानी भरा होने के कारण इलाज के लिए अस्पताल नहीं ले जा सके। हालत गंभीर होने के कारण छोटका ने घर में ही दम तोड़ दिया। परिजनों ने छोटका का अंतिम संस्कार कर दिया है। पुलिस तथा प्रशासन को देर शाम तक मामले की जानकारी नहीं दी गई थी।

रेल पुल बहा, नौ घर नदी में समाए

ट्रेनों का संचालन ठप, गोंडा-लखनऊ राजमार्ग पर आवागमन बंद

अमर उजाला ब्यूरो

गोंडा/लखनऊ। तरबगंज के चिवरहा गांव में मंगलवार रात बाढ़ के पानी में डूबने से एक महिला की मौत हो गई। वहीं, ऐली-परसौली गांव के मजरे दक्षिणी माझा में 9 लोगों के घर नदी में समा गए। उधर, गोंडा-मैलानी रेलखंड के मिहींपुरवा और रायबोझा रेलखंड पर मीटरगेज रेलखंड का पुल बीते दिनों बह गया। पुल के गार्टर और मिट्टी का टीला भी बह गया है। यहां रेलवे को बाढ़ समाप्त होने के बाद एक माह पुल के जीर्णोद्धार में लगेगा। इसके चलते एक बार फिर से गोंडा-मैलानी रेलखंड पर ट्रेन संचालन बंद हो गया है। इसके अलावा नवाबगंज इलाके के 31 गांवों व उससे जुड़े 321 मजरों में अब भी पानी भरा हुआ है। तीन दिन बीतने के बाद भी गोंडा-लखनऊ मार्ग का आवागमन बहाल नहीं हो पाया है।

पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के जनसंपर्क अधिकारी आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि ट्रेन 52257/58 मैलानी-गोंडा पैसेंजर को मैलानी से बिछिया तक चलाया जा रहा है। इसी तरह 52255/56 मैलानी-गोंडा पैसेंजर भी बिछिया से गोंडा तक निरस्त कर दी गई है। ट्रेन 52259/60 गोंडा-मैलानी पैसेंजर भी मैलानी से बिछिया तक चलाई जाएगी। वहीं, ट्रेन 52253/54 गोंडा-मैलानी पैसेंजर ट्रेन बिछिया से गोंडा तक रद्द कर दी गई है।

पैर फिसलने से गई जान : तरबगंज के चिवरहा गांव में चारों ओर पानी भरा है। मंगलवार रात गांव निवासी रामबख्श की पत्नी सुमन (60) नित्यकर्म के लिए निकली थीं। इस दौरान अचानक पैर फिसलने से वह गड्ढे में जा गिरी। डूबकर उनकी मौत हो गई। रामबख्श के मुताबिक सुमन की मौत पानी में डूबने से हुई है। उधर, प्रशासन की तरफ से देरशाम तक इसकी पुष्टि नहीं हो पाई।

बाढ़ से अब तक हुआ नुकसान

प्रभावित आबादी: 50 हजार
कटान की भेंट चढ़े घर: 32
प्रभावित गांव: 50 हजार
प्रभावित मजरे: 380
मरने वालों की संख्या: 6

स्थिति पर प्रशासन की नजर है। जो भी बाढ़ पीड़ित गांव से बाहर आ रहे हैं, उन्हें हर संभव मदद दी जा रही है। साखीपुर में बाढ़ चौकी है, जहां आने वालों को भी बसाने का काम लगातार किया जा रहा है। साथ ही पूर्ति विभाग की तरफ से हर प्रकार की मदद बाढ़ पीड़ितों को अनाज के एवज में मुहैया कराई जा रही है। **- राकेश कुमार मालपाणी,** एडीएम, गोंडा

आज पड़ेगा इन ट्रेनों पर असर

गुरुवार को ट्रेन 15315 मैलानी-गोंडा नानपारा में रद्द होगी। जबकि 15316 इज्जतनगर-गोंडा पैसेंजर नानपारा से चलाई जाएगी। ट्रेन 5316 इज्जतनगर-गोंडा पैसेंजर बिछिया में निरस्त कर दी जाएगी। ट्रेन 15315 मैलानी-गोंडा पैसेंजर बिछिया से चलाई जाएगी। ट्रेन 52253 गोंडा-मैलानी पैसेंजर नानपारा में निरस्त होगी। इसी तरह ट्रेन 52259 नानपारा से चलाई जाएगी। ट्रेन 52254 मैलानी-गोंडा पैसेंजर बिछिया में निरस्त हो जाएगी। जबकि ट्रेन 52253 गोंडा-मैलानी पैसेंजर बिछिया से चलाई जाएगी।

घाघरा नदी

खतरे का निशान: 106.07 मीटर
बुधवार को जलस्तर: 106.796 मीटर

सरयू नदी

खतरे का निशान: 92.373 मीटर
बुधवार को जलस्तर: 93.480 मीटर

आदमपुर-रेवली तटबंध को भी खतरा

घाघरा नदी और भिखारीपुर-सकरौर बांध के बीच बसे ऐली परसौली गांव के मजरे दक्षिणी माझा के नौ घर बुधवार को नदी में समा गए। रामकिशुन, हरिश्चन्द्र, रमेश, बिहारी, तिरपन, संतराम, कृपाशंकर, रामफेर व भोंदू ने बताया कि चार दिन पहले ही वह लोग अपना घर छोड़कर परिवार सहित बांध पर आ गए थे। बता दें कि भिखारीपुर-सकरौर रिंग बांध पर ऐली परसौली गांव के 200 परिवारों ने शरण ले रखी है। करनैलगंज में बने रिंग बांध के छह स्परों के नोज कटान की भेंट चढ़ रहे हैं, जबकि आदमपुर-रेवली तटबंध पर भी खतरा मंडरा रहा है।

स्वास्थ्य सेवाएं नहीं

नवाबगंज इलाके में पटपरगंज बाढ़ चौकी को छोड़ दिया जाए तो बाकी नौ बाढ़ चौकियों पर किसी तरह की कोई सुविधा उपलब्ध नहीं है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों की मानें तो बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में 4,500 से ज्यादा लोग खांसी, बुखार, जुकाम सहित अन्य बीमारियों से पीड़ित हैं।

पानी में उतरा रहे दो हिरनों के शव

नवाबगंज के कनपुर गांव में तीन दिन से दो हिरनों का शव पानी में उतरा रहा है, जबकि पानी में डूबने में कई और जानवरों के मरने की भी आशंका है। ग्रामीणों की मानें तो उनके कई जानवर लापता हैं।

राज्यमंत्री ने दिलाया मदद का भरोसा

बुधवार को नवाबगंज के जैतपुर माझा गांव पहुंचे राज्यमंत्री विनोद कुमार सिंह उर्फ पंडित सिंह ने बाढ़ पीड़ितों को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने बाढ़ पीड़ितों में भोजन पैकेट से लेकर ब्रेड व बिस्कुट के पैकेटों का वितरण किया।